[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 6600 **L**

Unique Paper Code : 2134002001

Name of the Paper : Fundamentals of Indian Philosophy (GE)

Name of the Course : **Common Prog, Group, NEP-UGCF**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 90

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **all** questions.

1. 'प्रमाण भारतीय ज्ञानशास्त्र का केन्द्रीय सम्प्रत्यय है।' इस कथन की विवेचना कीजिए।

18

' Pramāṇa is the central concept of Indian epistemology'Critically examine this statement

अथवा/Or

भारतीय दार्शनिक परम्परा में 'नास्तिक' किसे कहा गया है, नास्तिक सम्प्रदायों का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

In Indian philosophical tradition who are called 'Nāstika'? Give a brief description of Nāstika schools of thought.

2. परिणामवाद और विवर्तवाद के सिद्धान्त का विवरण दीजिए।

18

Give a description of the theory of Pariṇāmvāda and Vivartavāda.

P.T.O.

अथवा/Or

भारतीय दर्शन के विभिन्न सम्प्रदायों में चेतना के स्वरुप पर किस प्रकार विचार किया गया है?

In what way, do different schools of Indian philosophy reflect upon the form of consciousness?

3. बौद्ध दर्शन में प्रतिपादित चार आर्य सत्यों का वर्णन कीजिए। 18
Describe four noble truths of Buddhist Philosophy.

अथवा/Or

एक भौतिकवादी दार्शनिक सम्प्रदाय के रुप चार्वाक दर्शन की तात्विक मान्यताओं का निरुपण कीजिए
Describe the metaphysical postulations of Cārvāka philosophy as a materialist school of thought.

4. योगदर्शन मे प्रतिपादित अष्टांग योग का वर्णन कीजिए। 18
Describe eight-fold Yoga as propounded in Yoga philosophy

अथवा/Or

वैशेषिक दर्शन में प्रतिपादित सप्त पदार्थों का संक्षिप्त विवरण दीजिए।
Briefly describe the seven categories as propounded in Vaiśeṣika philosophy.

5. निम्नलिखित में से किन्ही **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: 3×6=18
Write a short-note on any **three** of the following:

(i) दर्शन / Darśana

(ii) स्वतःप्रामाण्यवाद/ Swatah prāmāṇyavāda

(iii) अनुमान / inference

(iv) असत्कार्यवाद / asatkāryavāda

(v) माया / māyā